vinetur

2026 की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया में शराब की खपत 2% घटी, वैश्विक बाजार से तेज गिरावट

IWSR के आंकड़ों के अनुसार, केवल RTD पेय मात्रा में गिरावट से बचे ; साइडर 3% और बीयर 2% घटी

शनिवार, 21 नवंबर 2026



IWSR के आंकड़ों के मुताबिक, 2026 की पहली छमाही में ऑस्ट्रेलिया में शराब की खपत एक साल पहले की तुलना में 2% घटी। यह व्यापक वैश्विक बाजार की गिरावट से अधिक थी। ये आंकड़े शुक्रवार, 20 नवंबर को Drinks Trade के साथ साझा किए गए।

इस तुलना में 21 बाजार शामिल थे, जो मिलकर वैश्विक मादक पेय खपत का 76% हिस्सा रखते हैं। इन बाजारों में कुल खपत एक साल पहले की तुलना में 1% घटी। हालांकि, अमेरिका और चीन को अलग रखने पर बाकी बाजारों में 1% की वृद्धि दर्ज हुई। इससे पता चलता है कि कुल नतीजे पर इन दोनों सबसे बड़े बाजारों का कितना अधिक असर रहा।

ऑस्ट्रेलिया के आंकड़े शराब की प्रमुख श्रेणियों में मांग पर लगातार दबाव का संकेत देते हैं। यह ब्रुअर्स, वाइन उत्पादकों,

डिस्टिलर्स और निर्यातकों के लिए अहम है, जो उपभोक्ता मांग और विभिन्न श्रेणियों के बीच बदलती प्रतिस्पर्धा को समझने के लिए इस बाजार पर नजर रखते हैं। यह खास तौर पर ऐसे समय में महत्वपूर्ण है, जब खुदरा विक्रेता और आपूर्तिकर्ता उत्पादों के मिश्रण, कीमतों और प्रचार योजनाओं में बदलाव कर रहे हैं।

IWSR के श्रेणीवार आंकड़ों से पता चला कि रेडी-टू-ड्रिंक पेय, यानी RTD, ऑस्ट्रेलिया की एकमात्र प्रमुख श्रेणी थी जिसमें समीक्षा की गई दोनों तुलना अवधियों में खपत की मात्रा नहीं घटी। ये अवधियां 2024, 2025 और 2026 की पहली छमाहियों को कवर करती थीं। 2026 की पहली छमाही में साइडर में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज हुई—3%—इसके बाद बीयर 2% घटी।

2026 की पहली छमाही में ऑस्ट्रेलिया में वाइन और स्पिरिट्स, दोनों में 1% की गिरावट आई। इस लिहाज से वे पूरे बाजार की तुलना में अधिक टिकाऊ साबित हुईं। वाइन कारोबार के लिए इसका अर्थ है कि शराब की कुल मांग के मुकाबले इस श्रेणी ने बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि उपभोक्ता बाजार के अन्य हिस्सों में खर्च और सेवन सीमित करते रहे।

इस बीच, IWSR ने कहा कि मात्रा के आधार पर ऑस्ट्रेलिया का रुझान व्यापक वैश्विक तस्वीर से अलग था। तीन सेगमेंट ने अधिकांश गिरावट में योगदान दिया : फुल-स्ट्रेंथ बीयर, जिसमें 1% से कम गिरावट आई, लेकिन बाजार में इसके बड़े हिस्से के कारण इसका असर उल्लेखनीय रहा ; स्टिल वाइन, जो 4% घटी ; और राष्ट्रीय स्पिरिट्स, जिनमें 11% की गिरावट आई।

वैश्विक आंकड़े बड़े और छोटे बाजारों के बीच बढ़ते अंतर की ओर इशारा करते हैं। अमेरिका और चीन, दोनों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज हुई ; कुल मादक पेय की मात्रा क्रमश: 4% और 3% घटी। IWSR ने कहा कि ब्राजील, भारत, कोलंबिया, दक्षिण अफ्रीका और यूनाइटेड किंगडम में वृद्धि इतनी मजबूत रही कि अमेरिका और चीन को छोड़कर बाकी बाजारों में खपत कुल मिलाकर बढ़ गई।

Drinks Trade की खबर के अनुसार, IWSR के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक Marten Lodewijks ने कहा, “वैश्विक मादक पेय बाजार कभी भी एक जैसा नहीं रहा, लेकिन हाल के आंकड़े अमेरिकी और चीनी उपभोक्ताओं तथा दुनिया के बाकी हिस्सों के बीच बढ़ती दूरी दिखाते हैं।” उन्होंने कहा, “इससे उद्योग के सामने चुनौतियां पैदा होती हैं, क्योंकि मात्रा और मूल्य—दोनों के लिहाज से ये उसके दो सबसे बड़े बाजार हैं।”

कुल सुस्ती के बावजूद कुछ श्रेणियों में वृद्धि जारी रही। IWSR के मुताबिक, 21 बाजारों में 2026 की पहली छमाही के दौरान नॉन-अल्कोहल बीयर, भारतीय व्हिस्की और प्रोसेको—तीनों की मात्रा बढ़ी। यह ऐसे बाजार को दर्शाता है जिसमें उपभोक्ता एक ही दिशा में नहीं बढ़ रहे हैं। कुछ लोग कम पी रहे हैं, कुछ श्रेणियों के बीच बदलाव कर रहे हैं, जबकि कुछ सुविधा, संयम या खास मौकों के अनुरूप पेश किए जाने वाले उत्पादों की ओर बढ़ रहे हैं।

Lodewijks ने कहा कि संयम बाजार की संरचनात्मक विशेषता बनता जा रहा है, लेकिन कई देशों में अब भी मजबूत वृद्धि दिख रही है। उन्होंने कहा, “स्टिल वाइन और फुल-स्ट्रेंथ बीयर जैसी बड़ी, पुरानी श्रेणियों के कारण TBA की मात्रा में गिरावट बनी हुई है, लेकिन अधिकांश बाजारों में RTD और नॉन-अल्कोहल बीयर की वृद्धि ने इसका कुछ असर कम किया है।”

ऑस्ट्रेलियाई उत्पादकों और आयातकों के लिए ये आंकड़े एक बड़ी जटिल तस्वीर पेश करते हैं, जिसे केवल कुल गिरावट की खबर से नहीं समझा जा सकता। बीयर और साइडर पर दबाव बना रहा, RTD पेय टिकाऊ साबित हुए और स्टिल वाइन में अधिक तेज गिरावट के बावजूद वाइन की कुल गिरावट पूरे बाजार से कम रही। मांग कहां कमजोर पड़ रही है और कहां बेहतर बनी हुई है, इसका आकलन करते हुए यह अंतर कंपनियों के भंडार, विपणन और निर्यात प्राथमिकताओं से जुड़े फैसलों को प्रभावित कर सकता है।